अनुक्रमणिका

- **प्रथम अध्याय:** (३-३३)

  जितेन्द्र श्रीवास्तव का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

- **द्वितीय अध्याय:** (३४-७१)

  समकालीन स्त्री-विमर्श के विभिन्न पक्ष

- **तृतीय अध्याय:** (७२-१२५)

  जितेन्द्र श्रीवास्तव की कविताओं का लोकपक्ष और स्त्री जीवन

- **चतुर्थ अध्याय:** (१२६-१७१)

  जितेन्द्र श्रीवास्तव की कविताओं में अभिव्यक्त भारतीय दाम्पत्य जीवन

- **पंचम अध्याय:** (१७२-२०९)

  जितेन्द्र श्रीवास्तव की बेटी केंद्रित कविताएं और स्त्री-विमर्श का नया पक्ष

- **षष्ठ अध्याय:** (२१०-२६६)

  जितेन्द्र श्रीवास्तव की स्त्री विषयक कविताओं की भाषा और उनका शिल्प

- **उपसंहार** (२६७-२८४)
- **संदर्भ ग्रंथ सूची** (२८५-२९०)